

- आदेश -

लाक सवा आयोग, २०२०, इलाहाबाद की संस्तुति के आधार पर कर्मशाला अनुदेशक शीटमेटल/पेंटिंग कक्षाकर्म २० ५०००-६००० में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा स्वीकृत महंगाई भत्ते सहित पदभार ग्रहण करने की तिथि से निम्नलिखित अभ्यर्थियों की नियुक्ति उनके नाम के सम्मुख उचित संस्था में की जाती है। उनकी यह नियुक्तियाँ पूर्णतया अस्थाई है एवं नियुक्त अभ्यर्थियों की सेवायें शासनादेश संख्या-२०/१/७४-३, दिनांक- ११ जून, ७५ के अनुसार किसी भी, समय किसी भी ऋद्धि द्वारा एक माह की नोटिस पर समाप्त की जा सकती है।

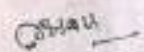
अनुसूचित जाति/जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति उनके द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति तथा पिछड़े वर्ग के प्रमाण पत्रों के उचित माध्यम से सत्यापन किये जाने की शर्त पर की जाती है और यदि सत्यापन किये जाने पर अनुसूचित जाति अथवा जनजाति/पिछड़े वर्ग जिसकी अभिव्यक्त है, का दावा झूठा पाया जाता है तो उनकी सेवायें बिना कोई कारण बताये तत्काल समाप्त कर दी जायेंगी और झूठे प्रमाण-पत्र दिए जाने के सम्बन्ध में भारतीय दण्ड संहिता के उपबन्धों के अन्तर्गत बिना किसी पूर्वग्रह के आगे की कार्यवाही की जायेगी।

क्रमांक	अभ्यर्थी का नाम एवं पत्र व्यवहार का पता	संस्था का नाम जहाँ नियुक्ति की जाती है
1	2	3
	<u>सर्वश्री</u>	<u>राजकीय पालीटेक्निक</u>
1-	मनोज गोतम पुत्र श्री शंभाराम गोतम, मोनो 171 नया बांस नदी रोड, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश।	उरई।
2-	श्री अश्विन्द्र कुमार श्रीलाल पुत्र श्री लालशुभ प्रसाद श्रीलाल, सी-105/247 गेटे काजीपुर, गोरखपुर - 273 001 २०२०।	राजकीय पालीटेक्निक, इलाहाबाद।

नियुक्ति अभ्यर्थियों द्वारा पदभार ग्रहण करने पर बरिष्ठता बाब में निर्धारित की जायेगी। उपरोक्त अभ्यर्थियों को पदभार ग्रहण करते समय निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे :-

- 1- सभी शैक्षिक एवं अनुभव सम्बन्धी प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित प्रतियाँ।
- 2- दो राजपत्रित अधिकारियों जो उनकी सम्बन्धी न हों के द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण-पत्र।
- 3- एक पत्नी जीवित होने अथवा अविवाहित होने का प्रमाण-पत्र।
- 4- मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण-पत्र।
- 5- भारतीय संविधान के प्रति निष्ठावान रहने का प्रमाण-पत्र।

पदभार ग्रहण करने की सूचना के साथ उक्त सभी प्रमाण पत्र निदेशालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय भेजे जायें। दिनांक-२९/०९/२००१ तक नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य है। यदि निर्धारित तिथि तक अभ्यर्थी कार्यभार ग्रहण करने में असमर्थ होते हैं तो उनके नियुक्ति पत्रों को समाप्त कर दिया जायेगा। पदभार ग्रहण करने हेतु नियुक्त अभ्यर्थी को किसी प्रकार का कोई यात्रा भत्ता देना नहीं होगा।



(उषा विरजी)

निदेशक

प्राविधिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश।

२६